# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मार्च
11
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

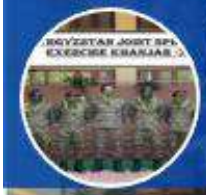

By Ankit Avasthi Sir

# भारत का मसाला बाज़ार / India's Spice Market

**संदर्भ:**

भारत दुनिया में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक होने के बावजूद वैश्विक सीज़निंग बाजार में केवल **0.7%** की हिस्सेदारी रखता है, जबकि यह बाजार **2024 में 14 अरब डॉलर** का था।

- इसके विपरीत, चीन की इस बाजार में **12%** और अमेरिका की **11%** हिस्सेदारी है।
- यह आंकड़े बताते हैं कि भारत की अपार मसाला संपदा के बावजूद, वैश्विक स्तर पर सीज़निंग और प्रोसेस्ड मसालों के क्षेत्र में देश की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है।

## भारत में मसाले (Spices in India)

### मुख्य मसाला उत्पादक क्षेत्र:

- केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और गुजरात प्रमुख मसाला उत्पादक राज्य हैं।
- इसके अलावा, **उत्तर-पूर्व, ओडिशा और झारखंड जैसे नए क्षेत्र भी मसाला उत्पादन में उभर रहे हैं।**

### भारत में उगाए जाने वाले और निर्यात किए जाने वाले प्रमुख मसाले:

1. **काली मिर्च (Black Pepper):**
   - इसे **"मसालों का राजा" (The King of Spices)** कहा जाता है।
   - मुख्य रूप से **केरल और कर्नाटक** में उगाई जाती है।
2. **इलायची (Cardamom):**
   - वैश्विक बाजार में अत्यधिक मूल्यवान।
   - मुख्य रूप से **दक्षिण भारत** में उत्पादित।
3. **हल्दी (Turmeric):** यह **खाद्य, औषधीय और पोषण उत्पादों (nutraceutical applications)** में उपयोग होती है।
4. **जीरा और धनिया (Cumin & Coriander):** **भारतीय और मध्य पूर्वी व्यंजनों (Middle Eastern cuisine)** में अत्यधिक उपयोगी।
5. **मिर्च (Chilies):**
   - **भारत दुनिया में लाल मिर्च का सबसे बड़ा उत्पादक है।**
   - मुख्य रूप से **आंध्र प्रदेश और तेलंगाना** में उगाई जाती है।

## भारत में मसालों की स्थिति (Status of Spices in India)

### उत्पादन (Production):

- **2022-23:** भारत ने **11.14 मिलियन टन मसालों का उत्पादन** किया।
- **2021-22:** उत्पादन **11.12 मिलियन टन** था।
- भारत में कुल 109 ISO-सूचीबद्ध मसालों में से 75 मसालों का उत्पादन होता है।
- **चिली, जीरा, हल्दी, अदरक और धनिया** का कुल उत्पादन में **76% योगदान** है।
- **2022-23 में शीर्ष 3 उत्पादित मसाले:**
  1. लहसुन (Garlic)
  2. अदरक (Ginger)
  3. मिर्च (Chilli)

### निर्यात (Exports):

- **2023-24:** भारत ने लगभग **14 लाख टन मसालों का निर्यात किया, जिसकी कीमत USD 4.4 बिलियन रही।**
- **चिली (Chilli):** भारत का सबसे बड़ा निर्यात किया जाने वाला मसाला, जो कुल मसाला निर्यात का **31%** है।
- भारत लगभग **200 देशों को मसालों का निर्यात करता है।**
- **प्रमुख बाजार:** चीन, बांग्लादेश, पश्चिम एशिया के देश, और अमेरिका।

## मुख्य चुनौतियाँ (Key Challenges)

### 1. कम मूल्य संवर्धन (Low Value Addition):

- भारत के मसाला निर्यात का केवल **48% ही मूल्य-वर्धित उत्पाद** होते हैं।
- शेष **कच्चे मसाले (Raw Whole Spices)** के रूप में बेचे जाते हैं।

### 2. सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ (Socio-economic Challenges):

- लगभग **98% मसालों का उत्पादन छोटे किसानों द्वारा किया जाता है**, जिनके पास **2 हेक्टेयर से कम भूमि** होती है।

### 3. कमजोर नियमन (Weak Regulation):

- भारत में सभी स्वच्छता और पादप स्वच्छता (Sanitary & Phytosanitary - SPS) उपायों को कवर करने वाला कोई राष्ट्रीय मानक नहीं है।

### 4. कड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा (Stiff Global Competition):

- **वियतनाम, इंडोनेशिया, ब्राजील, चीन** जैसे देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।

# रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व / Strategic Bitcoin Reserve

**संदर्भ:**

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि **बिटकॉइन का एक रणनीतिक भंडार (Strategic Reserve)** बनाया जा सके। इससे पहले, उन्होंने कहा था कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका को **डिजिटल मुद्रा के क्षेत्र में अग्रणी** बनाना चाहते हैं।

## सामरिक भंडार (Strategic Reserve):

सामरिक भंडार एक ऐसा संग्रह है जिसमें महत्वपूर्ण संसाधनों को सरकार या बड़े संगठन द्वारा आपात स्थितियों या भविष्य की अनिश्चितताओं के दौरान स्थिरता बनाए रखने के लिए संरक्षित किया जाता है।

### सामान्य उदाहरण (Common Examples):

1. **सामरिक पेट्रोलियम भंडार (Strategic Petroleum Reserve - SPR):**
   - तेल संकट के दौरान ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।
2. **अनाज भंडार (Food Grain Reserves):**
   - आपातकालीन स्थितियों के दौरान खाद्य संकट को रोकने के लिए।
3. **स्वर्ण भंडार (Gold Reserves):** केंद्रीय बैंक द्वारा अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए।

## अमेरिकी सामरिक क्रिप्टो भंडार (US Strategic Crypto Reserves):

- **डोनाल्ड ट्रम्प** ने पांच क्रिप्टोकरेंसी का नाम दिया है जिन्हें भंडार में शामिल किया जाएगा:
  - **Bitcoin, Ethereum, XRP (Ripple), Solana और Cardano।**
- आधिकारिक सामरिक क्रिप्टो भंडार बनाकर, अमेरिकी सरकार **अप्रत्यक्ष रूप से Bitcoin और अन्य क्रिप्टोकरेंसी को वैधता प्रदान करती है।**

## क्रिप्टोकरेंसी का स्रोत और प्रबंधन:

### 1. क्रिप्टोकरेंसी का स्रोत (Source of Cryptocurrencies):

- यह भंडार मुख्य रूप से **अपराधिक गतिविधियों** जैसे **ड्रग तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और हैकिंग** से जब्त की गई क्रिप्टोकरेंसी से बनेगा।
- वर्तमान में अमेरिकी सरकार के पास 198,109 बिटकॉइन (लगभग $18.1 बिलियन मूल्य) और अन्य डिजिटल कॉइन्स जैसे Ethereum और Tether हैं।

### 2. संग्रहण और प्रबंधन (Storage and Management):

- इन क्रिप्टोकरेंसी को **मूल्य के भंडार (Store of Value)** के रूप में रखा जाएगा, जैसे कि **Fort Knox में सोना संग्रहीत किया जाता है।**
- सरकार इन संपत्तियों को कम से कम **अल्पकालिक अवधि में नहीं बेचेगी** ताकि बाजार में गिरावट से बचा जा सके।

## क्रिप्टो रिजर्व की चुनौतियाँ और जोखिम:

### 1. मूल्य अस्थिरता (Price Volatility):

- बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी अत्यधिक अस्थिर होती हैं।
- बाजार में गिरावट होने पर सरकार के भंडार में भारी नुकसान हो सकता है।

### 2. सरकारी नियंत्रण में विरोधाभास (Contradiction in Government Control):

- बिटकॉइन को मूल रूप से **विकेंद्रीकृत संपत्ति (Decentralised Asset)** के रूप में डिज़ाइन किया गया था, जो सरकार के नियंत्रण से मुक्त हो।
- इसे सरकारी संपत्ति के रूप में संग्रहित करना इसके मूल सिद्धांत के खिलाफ है।

### 3. बाजार में हेरफेर (Market Manipulation):

- यदि कई सरकारें बिटकॉइन जमा करना शुरू कर देती हैं, तो यह राज्य-कारकों को क्रिप्टो की कीमतों में हेरफेर करने का अवसर दे सकता है।
- यह स्थिति सोने के बाजारों की तरह क्रिप्टोकरेंसी बाजार को अस्थिर कर सकती है।

### 4. पक्षपात की चिंताएँ (Favouritism Concerns):

- आलोचकों ने ट्रंप पर **क्रिप्टो उद्योग का पक्ष लेने** का आरोप लगाया है, विशेष रूप से तब जब उनके कुछ प्रमुख राजनीतिक समर्थक बड़े क्रिप्टो निवेशक हैं।
- इससे **निष्पक्ष नीति निर्माण (Impartial Policy-Making)** पर नैतिक चिंताएँ उठती हैं।

# भारत-मॉरीशस संबंध / India–Mauritius relations

**संदर्भ:**

भारत के प्रधानमंत्री **11-12 मार्च 2025** को मॉरीशस की राजकीय यात्रा पर जाएंगे और वहां के **स्वतंत्रता दिवस समारोह** में **मुख्य अतिथि** के रूप में शामिल होंगे।

## भारत और मॉरीशस के बीच संबंध (Bond Between India and Mauritius):

### 1. ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध (Historical and Cultural Ties):

- भारत और मॉरीशस के संबंध इतिहास, संस्कृति और रिश्तेदारी में गहराई से जुड़े हुए हैं।
- मॉरीशस में भारतीय मूल की बड़ी आबादी है, जिसमें लगभग **70% नागरिक भारतीय बंधुआ मजदूरों के वंशज हैं**, जिन्हें औपनिवेशिक शासकों द्वारा चीनी बागानों में काम करने के लिए लाया गया था।

### 2. सांस्कृतिक विविधता और भाषा (Cultural Diversity and Language):

- मॉरीशस विभिन्न संस्कृतियों का संगम है, जहां **भोजपुरी, तमिल, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाओं को संरक्षित किया गया है।**
- इंडो-मॉरीशियनों द्वारा इन भाषाओं और संस्कृतियों का संरक्षण इस संबंध को और भी मजबूत बनाता है।

### 3. सांस्कृतिक समानताओं से परे संबंध (Relations Beyond Cultural Similarities):

- दोनों देशों के बीच संबंध केवल सांस्कृतिक समानताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि **राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक** क्षेत्रों में भी घनिष्ठ हैं।
- भारत और मॉरीशस के बीच निरंतर सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंध इन संबंधों को और गहरा बनाते हैं।

## भारत और मॉरीशस के बीच द्विपक्षीय संबंध:

**1. द्विपक्षीय व्यापार (Bilateral Trade):** 2022-23 में भारत और मॉरीशस के बीच द्विपक्षीय व्यापार **$554 मिलियन** तक पहुंचा, जो आर्थिक सहयोग में स्थिरता को दर्शाता है।

### 2. अफ्रीका का प्रवेशद्वार (Gateway to Africa):

- मॉरीशस, भारत के लिए **अफ्रीका के साथ आर्थिक सहयोग का प्रमुख प्रवेशद्वार** है।
- अफ्रीकी संघ (African Union) का सदस्य होने के कारण, मॉरीशस को अफ्रीकी देशों के साथ वरीयता व्यापार समझौतों (Preferential Trade Agreements) का लाभ मिलता है, जिससे भारत की बाजार पहुंच में वृद्धि होती है।

### 3. निवेश केंद्र (Investment Hub):

- **दोहरा कराधान निवारण समझौता (DTAA)** मॉरीशस को एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय केंद्र बनाता है।
- इस समझौते ने भारत में विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया है और दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को मजबूत किया है।

### 4. समुद्री सुरक्षा रणनीति:

- मॉरीशस, विशेष रूप से **पश्चिमी हिंद महासागर** में, भारत की समुद्री सुरक्षा रणनीति का एक महत्वपूर्ण साझेदार है।
- यह देश भारत के **वीजन सागर (Security and Growth for All in the Region - SAGAR)** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

### 5. क्षेत्रीय सुरक्षा (Regional Security):

- मॉरीशस, **कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (Colombo Security Conclave)** का एक महत्वपूर्ण सदस्य है, जिसमें **भारत, श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश** भी शामिल हैं।
- यह क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा और समुद्री डकैती (Piracy) को रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से योगदान देता है।

### 6. समुद्री क्षमताओं को मजबूत करना (Strengthening Maritime Capabilities):

भारत ने मॉरीशस की समुद्री सुरक्षा संरचना को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित प्रयास किए हैं:

- सर्विलांस के लिए तटीय रडार स्टेशन नेटवर्क की स्थापना।
- अगालेगा द्वीप (Agaléga Island) का पुनर्विकास, जिसे एक संयुक्त निगरानी सुविधा के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- भारतीय महासागर क्षेत्र के लिए सूचना संलयन केंद्र (IFC-IOR) में मॉरीशस को पहुँच प्रदान करना।

# संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के प्रति भारत की प्रतिबद्धता / Indian commitments to UN Peacekeeping

**संदर्भ:**

भारत संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और अपनी विदेश नीति के प्रमुख स्तंभों के रूप में **संवाद, कूटनीति और सहयोग** को महत्व देता है।

## भारत का संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में योगदान:

### 1. योगदान का इतिहास (History of Contribution):

- 1950 के दशक से, भारत ने **50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों (UN Peacekeeping Missions)** में **2,90,000 से अधिक शांति सैनिक (Peacekeepers)** भेजे हैं।
- भारत का यह योगदान उसे दुनिया के सबसे बड़े शांति स्थापना बल योगदानकर्ताओं में से एक बनाता है।

### 2. वर्तमान में तैनाती (Current Deployment):

- वर्तमान में, भारत के **5,000 से अधिक शांति सैनिक** 11 सक्रिय शांति स्थापना मिशनों में से **9 मिशनों में तैनात हैं।**

### 3. प्रमुख कारण (Key Reasons for India's Continued Contribution):

- **वैश्विक शांति और सुरक्षा में योगदान:** भारत, वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल रहता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा (International Reputation):** संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में योगदान देना, भारत को एक जिम्मेदार और विश्वसनीय देश के रूप में प्रस्तुत करता है।
- **क्षेत्रीय स्थिरता (Regional Stability):** अफ्रीका और एशिया जैसे क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने के लिए भारत का योगदान महत्वपूर्ण है।
- **मानवता और न्याय का समर्थन (Support for Humanity and Justice):** भारत, शांति स्थापना मिशनों में शामिल होकर, कमजोर और संकटग्रस्त क्षेत्रों में मानवाधिकारों की सुरक्षा और मानवीय सहायता को बढ़ावा देता है।
- **रक्षा अनुभव और प्रशिक्षण:** यह तैनाती भारतीय सेना के लिए अनुभव और प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण साधन भी है।

## संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (UN Peacekeeping):

### 1. परिचय (Introduction):

- **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (UN Peacekeeping)**, दुनिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाया गया एक महत्वपूर्ण तंत्र है।
- यह अन्य संयुक्त राष्ट्र प्रयासों जैसे **संघर्ष रोकथाम (Conflict Prevention), शांति निर्माण (Peacebuilding), शांति स्थापना (Peacemaking), और शांति प्रवर्तन (Peace Enforcement)** के साथ मिलकर काम करता है।
- **संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों (UN Peacekeepers)** को उनके हल्के नीले रंग के हेलमेट के कारण **"ब्लू हेलमेट्स" (Blue Helmets)** कहा जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र के ध्वज के रंग से प्रेरित है।

### 2. इतिहास (History of UN Peacekeeping):

- संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना की शुरुआत **1948 में मध्य पूर्व (Middle East)** में **संयुक्त राष्ट्र संघर्ष निगरानी संगठन (United Nations Truce Supervision Organization - UNTSO)** की स्थापना के साथ हुई, जिसका उद्देश्य युद्धविराम की निगरानी करना था।
- **शीत युद्ध (Cold War)** के दौरान, वैश्विक राजनीतिक तनावों के कारण मिशनों की संख्या और दायरा सीमित था।
- लेकिन **1990 के दशक में शीत युद्ध की समाप्ति** के बाद, शांति स्थापना अभियानों की संख्या और उनके कार्यक्षेत्र में काफी विस्तार हुआ।

### 3. उद्देश्य (Objectives of UN Peacekeeping):

- संघर्ष क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना।
- युद्धविराम की निगरानी करना और समझौतों को लागू करना।
- संक्रमण काल के दौरान शांति प्रक्रिया का समर्थन करना।
- शांतिपूर्ण और स्थिर समाज के निर्माण में सहायता करना।

### 4. विशेषताएं (Features):

- **बहुराष्ट्रीय बल :** विभिन्न देशों के सैनिक और पुलिस बलों का योगदान।
- **तटस्थता (Neutrality):** शांति सैनिक संघर्ष में किसी भी पक्ष का समर्थन नहीं करते।
- **सम्मति (Consent):** आमतौर पर मेजबान देश की सहमति से संचालित होते हैं।
- **स्वयं रक्षा (Self-Defense):** केवल आत्मरक्षा के लिए बल का प्रयोग किया जाता है।

# माधव नेशनल पार्क / Madhav National Park

**संदर्भ:**

केंद्र सरकार ने आधिकारिक रूप से **माधव नेशनल पार्क** को देश का **58वां टाइगर रिजर्व** घोषित किया है।

## Madhav Tiger Reserve (माधव टाइगर रिजर्व)

**स्थान:** शिवपुरी जिला, मध्य प्रदेश

### मुख्य भौगोलिक विशेषताएं:

- **वनस्पति:** शुष्क पतझड़ी वन, अर्ध-सदाबहार वन और घास के मैदान।
- **साख्य सागर:** यह पार्क के अंदर स्थित एक मानव निर्मित जलाशय है, जिसे 2022 में रामसर स्थल के रूप में मान्यता मिली।

### मुख्य जीव-जंतु:

- बाघ (Tiger), तेंदुआ (Leopard), सियार (Jackals), नीलगाय (Nilgai), सांभर (Sambar), जंगली सूअर (Wild Boar) आदि।

### ऐतिहासिक महत्व:

- पहले इसे **शिवपुरी नेशनल पार्क** के नाम से जाना जाता था, लेकिन इसका नाम बदलकर माधव नेशनल पार्क रखा गया, जो ग्वालियर के महाराजा माधव राव सिंधिया (Scindia dynasty of the Marathas) के नाम पर है।
- इस नेशनल पार्क के घने जंगल मुगलों और सिंधिया शासकों के शिकार के मैदान हुआ करते थे।
- पार्क के अंदर **जॉर्ज कैसल (George Castle)** स्थित है, जिसे 1911 में ब्रिटिश किंग जॉर्ज पंचम (King George V) के आगमन की उम्मीद में सिंधिया शासकों द्वारा बनवाया गया था।

## Tiger Reserves (टाइगर रिज़र्व)

### परिचय:

- टाइगर रिज़र्व वे कानूनी रूप से घोषित संरक्षित क्षेत्र होते हैं, जिन्हें बाघों और उनके आवासों के संरक्षण के लिए नामित किया जाता है।
- इनका गठन **प्रोजेक्ट टाइगर (Project Tiger)** के तहत 1973 में शुरू किया गया था।
- इनका प्रबंधन **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (National Tiger Conservation Authority - NTCA)** द्वारा किया जाता है।
- टाइगर रिज़र्व को **कोर/बफर रणनीति (Core/Buffer Strategy)** के आधार पर संरक्षित किया जाता है।

### कोर और बफर क्षेत्र:

1. **कोर क्षेत्र (Core Area):**
   - ये क्षेत्र राष्ट्रीय उद्यान (National Park) या अभयारण्य (Sanctuary) के रूप में कानूनी दर्जा प्राप्त करते हैं।
   - यहां बाघों की सुरक्षित आबादी को संरक्षित किया जाता है।
2. **बफर क्षेत्र (Buffer Area):**
   - यह जंगल और गैर-जंगल भूमि का मिश्रण होता है।
   - इसे बहुउपयोग क्षेत्र (Multiple Use Area) के रूप में प्रबंधित किया जाता है, जहाँ संरक्षण के साथ स्थानीय समुदाय की आजीविका को भी ध्यान में रखा जाता है।

### टाइगर रिज़र्व की अधिसूचना कौन करता है?

### अधिसूचना प्रक्रिया (Notification Process):

1. राज्य सरकार संभावित क्षेत्रों की पहचान करती है और **NTCA** को प्रस्ताव भेजती है।
2. **NTCA** प्रस्ताव की समीक्षा करता है और पूरी तरह से मूल्यांकन करने के बाद सिफारिश करता है।
3. राज्य सरकार उस क्षेत्र को टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित करती है।
4. टाइगर रिज़र्व के गठन के बाद, **NTCA** प्रबंधन के लिए धनराशि प्रदान करता है।

### महत्व:

- बाघों और उनके प्राकृतिक आवासों का संरक्षण करना।
- पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करना और जैव विविधता को संरक्षित करना।
- स्थानीय समुदायों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए संरक्षण और विकास को संतुलित करना।

# भारत-आयरलैंड संबंध और संयुक्त आर्थिक आयोग / India-Ireland Relations and the Joint

**संदर्भ:**

भारत और आयरलैंड ने **द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी संबंधों** को बढ़ाने के लिए **संयुक्त आर्थिक आयोग (Joint Economic Commission)** स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। विदेश मंत्री **एस. जयशंकर** ने डब्लिन में अपने **आयरलैंड के समकक्ष** के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की।

## भारत-आयरलैंड संबंध:

### 1. JEC (Joint Economic Commission) का गठन:

- उद्देश्य: विश्व व्यापार संगठन (WTO) और अन्य वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करना।
- बैठकें: हर दो साल में वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी।
- समझौता: इस वर्ष के अंत में एक औपचारिक समझौता होने की संभावना है।
- लाभ: दोनों देशों को व्यापार और आर्थिक प्राथमिकताओं पर करीब से विचार-विमर्श करने की सुविधा मिलेगी।

### 2. मुख्य चर्चा बिंदु और सहयोग के क्षेत्र:

- **उभरते क्षेत्र (Emerging Sectors):**
  - साइबर सुरक्षा (Cybersecurity), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), फिनटेक (Fintech), और सेमीकंडक्टर्स (Semiconductors)।
  - आयरलैंड सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहाँ दुनिया की शीर्ष 30 सेमीकंडक्टर कंपनियों में से आधी मौजूद हैं।
  - भारत इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए उत्सुक है।
- **द्विपक्षीय व्यापार (Bilateral Trade):** भारत और आयरलैंड के बीच व्यापार लगभग 16 बिलियन यूरो (17.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का है।

### 3. राजनयिक संबंध और नई पहलें:

- **राजनयिक विनिमय कार्यक्रम:** एक ऐसा कार्यक्रम जिसमें भारत और आयरलैंड के राजनयिकों का वार्षिक आदान-प्रदान शामिल होगा।
- **आयरलैंड का "एक्शन प्लान":** दीर्घकालिक राजनयिक और आर्थिक संबंधों के विकास पर केंद्रित।
- **वैश्विक मुद्दों पर सहयोग:** दोनों देशों ने वैश्विक मुद्दों पर सहयोग की आवश्यकता को स्वीकार किया।

### 4. सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध:

- भारतीय विदेश मंत्री ने भारत और आयरलैंड के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित किया।
- दोनों देशों का ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन साझा औपनिवेशिक इतिहास रहा है।
- आयरलैंड ने भारतीय स्वतंत्रता का समर्थन किया था और 1916 के ईस्टर राइजिंग में अपनी स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी।

### 5. शैक्षिक और प्रवासी संबंध:

- **शैक्षिक संबंध (Educational Links):**
  - आयरलैंड में भारतीय छात्रों की संख्या 2013 में 700 से बढ़कर 2023 में लगभग 7,000 हो गई।
- **प्रवासी समुदाय (Immigrant Community):**
  - 2016 के बाद से आयरलैंड में भारतीय प्रवासियों की संख्या में 170% की वृद्धि हुई।
  - वर्तमान में, लगभग 30,000 आयरिश भारतीय और कुल मिलाकर 80,000 का भारतीय समुदाय आयरलैंड में मौजूद है।

### आयरलैंड दौरे का समापन:

- विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आयरलैंड दौरे का समापन डबलिन के सेंट स्टीफन ग्रीन पार्क में नोबेल पुरस्कार विजेता **रवींद्रनाथ टैगोर** की स्मृति में बने स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करके किया।

इस प्रकार, जयशंकर का यह दौरा दोनों देशों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक, और राजनयिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

# रबर बागानों का भू-मानचित्रण / Geo-mapping of Rubber Plantations

**संदर्भ:**

**रबर बोर्ड** अगले सप्ताह केरल में **रबर बागानों का जियो-मैपिंग** शुरू करने जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य **किसानों को बेहतर बाजार पहुंच** प्रदान करना और उनके उत्पाद के लिए **उच्च मूल्य सुनिश्चित करना** है।

## रबर बागानों का भू-मानचित्रण (Geo-Mapping):

- **भू-मानचित्रण की पहल:** रबर बोर्ड बागानों के डिजिटल मानचित्रण का कार्य कर रहा है, जिसमें भूमि स्वामित्व, क्षेत्रफल और बागान की सीमाओं जैसी आवश्यक जानकारियाँ शामिल हैं।
- **EUDR के साथ संरेखण:** यह पहल **EUDR (European Union Deforestation Regulation)** के अनुरूप है, जो यह सुनिश्चित करता है कि 31 दिसंबर 2020 के बाद यूरोपीय संघ के बाजार में प्रवेश करने वाली सभी वस्तुएँ वनों की कटाई से मुक्त हों और स्थानीय पर्यावरणीय नियमों का पालन करती हों।
- **आपूर्ति श्रृंखला का मानचित्रण:** इसमें आपूर्ति श्रृंखला का मानचित्रण, ट्रेसबिलिटी सिस्टम (traceability system) का विकास और बागानों का भू-मानचित्रण शामिल है।
- **उद्देश्य:** यह प्रणाली रबर की उत्पत्ति की गारंटी देती है और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता मानकों (international sustainability standards) का पालन सुनिश्चित करती है।
- **ड्यू डिलिजेंस प्रमाणपत्र (Due Diligence Certificate):** जोखिम मूल्यांकन और वैधता विश्लेषण (legality analysis) के आधार पर एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

## भू-मानचित्रण की महत्त्वपूर्णता (Importance):

- **बाजार में सुधार:** यह पहल रबर उत्पादकों के लिए बाजार तक पहुँच और मूल्य में सुधार करने का लक्ष्य रखती है।
- **वन-विनाश मुक्त आपूर्ति श्रृंखला (Deforestation-Free Supply Chain):** इसका उद्देश्य रबर की आपूर्ति श्रृंखला को वनों की कटाई से मुक्त बनाना है, जिससे वैश्विक बाजार में इसकी विपणन क्षमता (marketability) में वृद्धि हो सके।
- **EUDR का अनुपालन (Compliance with EUDR):** यह पहल EUDR के नियमों का पालन सुनिश्चित करती है, जो यूरोपीय बाजार में उत्पादों की स्वीकार्यता के लिए अनिवार्य है।

## रबर:

- **परिभाषा:** रबर इसोप्रीन का पॉलीमर है, जो हीविया ब्रासिलिएन्सिस नामक उष्णकटिबंधीय वृक्ष के लेटेक्स से प्राप्त होता है।
- **मिट्टी:** अच्छी तरह से निथरी और पुरानी मिट्टी जैसे लेटराइट, जलोढ़ और अवसादी मिट्टी।
- **जलवायु:** समान रूप से वितरित वर्षा (कम से कम 100 बरसात के दिन), तापमान 20-34°C, आर्द्रता लगभग 80%, 2000 घंटे की धूप और तेज़ हवाओं की अनुपस्थिति।
- **प्रमुख उत्पादक देश:** थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया।
- **भारत में उत्पादन:** केरल (75% उत्पादन), तमिलनाडु, कर्नाटक, त्रिपुरा, असम, अंडमान और निकोबार, गोवा आदि।
- **स्थिति:** भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। भारत अपनी कुल रबर खपत का 40% आयात करता है।
- **इतिहास:** भारत में पहले रबर बागान 1895 में केरल की पहाड़ियों पर लगाए गए थे। वाणिज्यिक स्तर पर खेती 1902 में शुरू हुई।

## रबर बोर्ड:

- **स्थापना:** 1955
- **मुख्यालय:** कोट्टायम, केरल
- **अधीन:** वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
- **कार्य:** भारत में रबर उद्योग के विकास
- **रबर अनुसंधान संस्थान (RRI):** रबर बोर्ड के अधीन।

**महत्व:** प्राकृतिक रबर उच्च तन्यता ताकत, कंपन-रोधी और आंसू-प्रतिरोध के कारण सिंथेटिक रबर की तुलना में बेहतर है। यह निर्माण और ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है।

# खंजर-XII / KHANJAR-XII

**संदर्भ:**

भारतीय सेना का दल **भारत-किर्गिज़स्तान संयुक्त विशेष बल अभ्यास "KHANJAR-XII"** के **12वें संस्करण** में भाग लेने के लिए रवाना हो गया है। यह अभ्यास **10 से 23 मार्च 2025** तक किर्गिज़स्तान में आयोजित किया जाएगा।

## KHANJAR-XII (खंजर-XII):

### क्या है KHANJAR-XII?

- KHANJAR-XII भारत और किर्गिज़स्तान के बीच आयोजित एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है, जो आतंकवाद-रोधी (Counter-Terrorism) और विशेष बल प्रशिक्षण (Special Forces Training) पर केंद्रित है।
- यह अभ्यास 2011 में शुरू हुआ और इसके बाद यह एक वार्षिक आयोजन बन गया, जो बारी-बारी से भारत और किर्गिज़स्तान में आयोजित होता है।
- भारतीय दल की ओर से पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्सेज) के सैनिक भाग लेते हैं और किर्गिज़स्तान की ओर से किर्गिज़ स्कॉर्पियन ब्रिगेड (Kyrgyz Scorpion Brigade) भाग लेती है।

### KHANJAR-XII का उद्देश्य:

1. **सैन्य सहयोग को मजबूत करना:** भारत और किर्गिज़स्तान के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाना।
2. **आतंकवाद-रोधी अभियानों में तालमेल बढ़ाना:** आतंकवाद से निपटने के अभियानों और विशेष बलों की रणनीतियों में पारस्परिक तालमेल को बढ़ाना।
3. **उन्नत युद्ध कौशल विकसित करना:** पर्वतीय युद्ध (Mountain Warfare), स्नाइपिंग, और क्लोज-क्वार्टर कॉम्बैट (निकटवर्ती युद्ध) के उन्नत युद्ध कौशल को विकसित करना।
4. **सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान:** शहरी हस्तक्षेप (Urban Intervention), बंधक बचाव (Hostage Rescue), और जटिल भवन संचालन (Complex Building Operations) में सर्वोत्तम तकनीकों का आदान-प्रदान करना।
5. **अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों में समन्वय बढ़ाना:** आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ बहुराष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों में बेहतर समन्वय स्थापित करना।

# हंटावायरस / Hantavirus

**संदर्भ:**

ऑस्कर विजेता अभिनेता **जीन हैकमैन** की पत्नी **बेट्सी अराकावा** की मृत्यु **हंटावायरस** से जुड़ी एक **श्वसन संबंधी बीमारी** के कारण हुई है, जो संक्रमित **कृन्तकों (Rodents)** के माध्यम से फैलने वाली एक दुर्लभ बीमारी है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

### क्या है Hantavirus?

- यह वायरसों का एक परिवार है जो गंभीर श्वसन और गुर्दे की बीमारियों का कारण बनता है।
- यह Hantavirus Pulmonary Syndrome (HPS) का कारण बनता है, जो फ्लू जैसे लक्षणों जैसे बुखार, ठंड लगना और मांसपेशियों में दर्द के साथ शुरू होता है।
- गंभीर मामलों में, यह श्वसन तंत्र में संकट, फेफड़ों में तरल पदार्थ का संचय और मृत्यु का कारण भी बन सकता है।

### Hantavirus कैसे फैलता है?

1. **वाहक (Carriers):** चूहे (Deer mice, Rice rats, White-footed mice, Cotton rats)।
2. **संक्रमण के तरीके (Transmission Methods):**
   - चूहों की बीट, मूत्र या लार से वायरस कणों का साँस द्वारा अंदर लेना।
   - संक्रमित वस्तुओं को छूने के बाद आँखों, नाक या मुँह को छूना।

### उपचार (Treatment):

- **विशिष्ट उपचार नहीं:** Hantavirus संक्रमण के लिए कोई विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है।
- **लक्षणों का उपचार (Treatment of Symptoms):**
  - CDC (Centers for Disease Control and Prevention) सहायक देखभाल (Supportive Care) की सलाह देता है।
  - गंभीर लक्षणों वाले मरीजों को अस्पताल में गहन देखभाल इकाइयों में भर्ती करना पड़ सकता है।
  - गंभीर मामलों में, मरीजों को सांस लेने में सहायता के लिए Intubation की आवश्यकता हो सकती है।
- **रोकथाम के उपाय (Preventive Measures):**
  - घरों या कार्यस्थलों में चूहों के संपर्क से बचना।
  - बेसमेंट या अटारी जैसे स्थानों में चूहों के प्रवेश के सभी रास्तों को सील करना।
  - चूहों की बीट की सफाई करते समय सुरक्षात्मक उपकरण (Protective Gear) पहनना ताकि संक्रमित हवा को सांस के माध्यम से अंदर लेने से बचा जा सके।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

# SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

# ANKIT AVASTHI

**Video will be upload soon !**

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

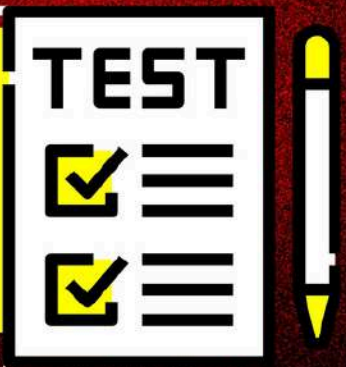

# GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

# APNI PATHSHALA

## UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

### UPPSC
( TEST SERIES )
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

### RO/ARO
( TEST SERIES )
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

### BPSC
( TEST SERIES )
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

### SSC ( TEST SERIES )
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

### RPF ( TEST SERIES )
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

**Download** | Application

**Apni Pathshala**

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

# NCERT COMPLETE

## FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

# SSC TEST SERIES

## CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

## Stenographer (Grades C & D)

Only at

**99/-Year**

Enroll Now !